प्रेम एक विभीषिका

स्वर्ण सिंह

Sample Copy. Not For Distribution.

प्रेम एक विभीषिका

Sample Copy. Not For Distribution.

Publishing-in-support-of,

EDUCREATION PUBLISHING

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.educreation.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-1-61813-727-2

Price: ₹ 185.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Educreation.

Printed in India

Sample Copy. Not For Distribution.

प्रेम एक विभीषिका

स्वर्ण सिंह

EDUCREATION PUBLISHING
(Since 2011)
www.educreation.in

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

समर्पित

देव गणेश, देव विष्णु , श्री बालाजी

माँ देवी सरस्वती एवं माँ देवी लक्ष्मी

तथा अपने समस्त इष्ट देवी देवताओं की कृपा का मैं आभारी हूँ। और इन सभी को मैं यह पुस्तक समर्पित करता हूँ।

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

लेखक का परिचय

लेखक का जन्म उत्तर प्रदेश राज्य के उन्नाव जनपद की पुरवा तहसील के चमियानी ग्राम में दिनांक 04 दिसम्बर 1980 को श्री कर्ण सिंह एवं श्रीमती पुष्पा सिंह के घर में हुआ। लेखक का पालन पोषण और शिक्षा–दीक्षा ग्रामीण और शहरी दोनों परिवेश में हुई। स्नातक की शिक्षा के बाद तकनीकी शिक्षा के लिए कम्प्यूटर साइंस में डिप्लोमा किया और पिछले 10 वर्षो से स्वयं CIFA COMPUTER INSTITUTE नामक संस्था के प्रबन्धक पद पर रहते हुए दो शाखाओं का सफलता पूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसके साथ ही सामाजिक कार्यो के लिए एक सामाजिक संस्था श्री पुरूषोत्तम नारायण एजूकेशनल एंव वेलफेयर सोसायटी का संचालन भी करते हैं। लेखक आज शिक्षा, समाजसेवा, कृषि और व्यापार, के क्षेत्र से जुड़े हैं तथा हर समय लोगों की बेहतरी के लिए प्रयासरत रहते हैं, जिससे युवाओं और समाज को एक अच्छा भविष्य मिल सके।

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

लेखक का उद्देश्य

दोस्तों, इस पुस्तक में प्यार की वह सच्चाई लिखी है जो पहले दिखाई नहीं देती है। आप सभी युवाओं को फिल्मों और टीवी सीरियल में प्यार का जो रूप देखने को मिलता है, उसमें प्यार को सुखद और खूबसूरत अहसास के रूप में ही दिखाया जाता है। क्या आप जानते हैं, यह प्यार का सिर्फ एक पहलू है।

प्यार का एक दूसरा पहलू भी है ''प्यार का किसी के जीवन पर पड़ने वाला प्रभाव''। बहुत सारे युवक व युवतियाँ प्रेम के चक्कर में अपने जीवन का कीमती समय बर्बाद कर देते हैं, क्योंकि उनको प्यार का दूसरा हिस्सा बाद में दिखाई देता है। इस दुनिया में बहुत सारे लोगों को प्यार ने एक त्रासदी अर्थात विभीषिका की तरह प्रभावित किया है। मैं अपने विचारों के द्वारा प्रेम की विभिन्न अवस्थाओं, प्रेम के प्रकार और प्रेम आपके जीवन को कैसे प्रभावित करता है, आदि के बारे में बताने की कोशिश इस पुस्तक द्वारा कर रहा हूँ। इस पुस्तक के द्वारा आप प्यार को समझ सकते हैं, और सम्भावित नुकसान से बच सकते हैं।

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

विषय – सूची

क्रं	विषय – सूची	पृष्ठ संख्या
पहला भाग	समाज, प्राणी और प्रेम	1
दूसरा भाग	प्रेम कैसे होता है	5
तीसराभाग	प्रेम की परिभाषा	7
चौथा भाग	प्रेम में आने वाली विभिन्न मानसिक अवस्थायें	9
पॉचवॉभाग	प्रेम के प्रकार	14
छठवॉ भाग	कुछ विशिष्ट व्यक्तियों के प्रेम प्रसंग	21
सातवॉ भाग	प्रेम एक विभीषिका क्यों	29
आठवॉ भाग	मुझे कहना है	45
नवॉ भाग	लेखक की अपील	49
दसवॉ भाग	लेखक का सुझाव	52

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

1

समाज, प्राणी और प्रेम

मानव एक सामाजिक प्राणी होता है और समाज में रहते हुए विभिन्न रिश्तों को यह प्रेम ही है जो बाँध कर रखता है। मानव जीवन में प्रेम के अनेक रूप हैं जैसे– माँ–बेटे का प्रेम, पिता–पुत्र का प्रेम, भाई–बहन का प्रेम, पति–पत्नी का प्रेम, पारिवारिक प्रेम, सामाजिक प्रेम, व्यापारिक प्रेम, मित्र का प्रेम आदि।

जीवन का आधार प्रेम होता है, प्रेम आनन्द का आधार होता है। प्रेम हमें आपस में बाँधकर रखता है। जब प्रेम होता है तब मनुष्य परेशानियों के

Sample Copy. Not For Distribution.

साथ भी आनन्द का अनुभव करते हुए जीवन जीता है, लेकिन जब प्रेम नहीं होता तब कहीं भी किसी के साथ एक क्षण रहना भी मुश्किल हो जाता है।

प्रेम त्याग की भावना देता है, मनुष्य जिससे प्रेम करता है उसे वह अपने से ज्यादा महत्व देता है, उसकी खुशी के लिए वह कुछ भी कुर्बान कर सकता है।

एक स्त्री अपने बच्चे के प्रेम में अपनी सुन्दरता खो देती है, और एक पिता अपनी संतान के प्रेम में अपनी इच्छाओं और महत्वाकाँक्षाओं की बली चढ़ा देता है लेकिन संतान की इच्छाओं को पूरा करता है।

प्रेम शक्ति भी देता है, इस पृथ्वी पर मानव के साथ ही अन्य प्राणियों में यह देखा जा सकता है, जब किसी की संतान पर कोई खतरा आता है उस समय उसके माता–पिता अपनी क्षमता से कई गुना अधिक शक्तिशाली खतरे से भी टकराते हैं, जबकि उनको पता होता है कि, यह उनके लिए भी जानलेवा हो सकता है, परन्तु उस समय उनके दिमाक में बस एक बात होती है कि मेरे जिन्दा रहते कोई मेरे बच्चे को नुकसान नहीं पहुँचा सकता।

Sample Copy. Not For Distribution.

इस प्रकार से आप देखेंगे तो पायेंगे कि, समाज में मनुष्य के बहुत सारे मान्यता प्राप्त सम्बन्ध हैं जिनके बीच में मनुष्य प्रेम में बँधकर सारा जीवन पार कर देता है।

लेकिन

इसी समाज में प्रेम का एक और सम्बन्ध है और यह है ''युवक और युवती का प्रेम सम्बन्ध'' लोग इस सम्बन्ध को प्यार कहते हैं। मैं आपको अपनी पुस्तक में इसी प्रेम सम्बन्ध (प्यार) के बारे में बताने जा रहा हूँ।

क्या आप जानते हैं प्रेम करना आसान है लेकिन एक कामयाब इन्सान बनना और अपने प्यार को हासिल करके सुखी जीवन जीना बहुत ही मुश्किल है।

यहाँ प्रेम के चक्कर में कामयाबी भी छूट जाती है और प्यार भी नहीं मिलता। जिन्दगी, प्यार और कामयाबी की बहुत अजीब कहानी है,

अगर जिन्दगी में कामयाबी न मिले तो प्यार छोड़ देता है, और जब कोई कामयाब हो जाता है तो वह प्यार को छोड़ देता है और यहाँ कोई कामयाब होकर अपने प्यार को पा लेगा और

Sample Copy. Not For Distribution.

उसके साथ खुश भी रहेगा इसकी भी कोई गारन्टी नहीं है।

मेरे अनुमान से हजार प्रेमी जोड़ों में सिर्फ पाँच ऐसे जोड़े होगें जिनके जीवन में ऐसा होता है,

कि वे एक दूसरे के लिए पहला प्यार हों और अपने जीवन और प्यार दोनों में कामयाब होकर साथ–साथ सुखी जीवन जीते हैं, बाकी 995 जोड़ों का प्रेम नाकामयाब होता है और उनका प्रेम के प्रति अनुभव दुखःदायी ही होता है।

Sample Copy. Not For Distribution.

2

प्रेम कैसे होता है

प्रेम का जन्म आकर्षण से होता है, अर्थात प्रेम का बीज है आकर्षण, पहले किसी के आकर्षण का बीज आपके दिल और दिमाक में पड़ता है।

अब यदि आकर्षण को बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल नहीं मिलता है, तो धीरे–धीरे यह आकर्षण समाप्त हो जाता है।

लेकिन जब आकर्षण को बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल मिलता है, तब यह आकर्षण प्यार में बदल जाता है।

Sample Copy. Not For Distribution.

फिर आप जिससे प्यार करते हैं, उसे अपनी ओर आकर्षित करने के प्रयास करने लगते हैं और यदि वह आपकी ओर आकर्षित हो जाता है तो धीरे–धीरे उसके दिल में आपके प्रति जो आकर्षण है, वह भी प्यार में बदल जाता है। इस प्रकार से दोनो एक–दूसरे को प्यार करने लगते हैं और एक प्रेम कहानी शुरू हो जाती है।

दोस्तों जब किसी को प्यार होता है तो उसे यह दुनिया बहुत ही खूबसूरत नजर आने लगती है, उसे ऐसा लगता है कि उसके आस–पास सब कुछ अचानक से बहुत ही बदल गया है, उसके स्वभाव में भी परिर्वतन साफ देखाई देता है, ऐसी स्थिति में खुशी का स्तर बहुत ज्यादा होता है।

दोस्तों प्रेम की शुरूआत तो बहुत आनन्द देने वाली होती है, परन्तु जैसे–जैसे प्रेम आगे बढ़ता है परेशानियों का दौर बढ़ता जाता है और इस प्रेम का अन्त मनुष्य के दिल और दिमाक को हिलाकर रख देता है।

Sample Copy. Not For Distribution.

3

प्रेम की परिभाषा

प्यार की कोई एक परिभाषा सबके लिए सही नहीं हो सकती है। यहाँ तक कि एक ही आदमी के लिए भी प्रेम की परिभाषा समय के अनुसार बदल सकती है। मेरे अनुसार प्यार की परिभाषायें निम्नलिखित होंगी–

कभी किसी के लिए– ''प्रेम गर्व है, जिन्दगी है, प्रेरणा है, खुशी है, आनन्द है''।

कभी किसी के लिए– ''प्रेम के खेल में दो खिलाड़ी एक दूसरे के साथ टाइम पास करते हैं, उनमें से किसी एक को भी आप उसके मौजूदा

Sample Copy. Not For Distribution.

साथी से बेहतर साथी का विकल्प दे दीजिये, वह पुराने साथी को छोड़ देगा''।

कभी किसी के लिए– ''प्रेम एक प्रकार से मानसिक गुलामी है, जिसमें आपके दिमाक पर दूसरे का नियन्त्रण होता है''

कभी किसी के लिए– ''प्रेम एक प्रकार का सम्मोहन है, जो आपको सही और गलत का ज्ञान भुला देता है''

कभी किसी के लिए– ''प्रेम एक विष है, जो करता है वही डसता है''।

कभी किसी के लिए– '' प्रेम एक नशा है और हर एक के प्रेम का नशा एक दिन उतरता जरूर है, किन्तु जब तक यह उतरता है तब तक देर हो चुकी होती है''।

Sample Copy. Not For Distribution.

4

प्रेम में आने वाली विभिन्न मानसिक अवस्थायें

यदि आपको लगता है कि, प्यार सदैव प्यार ही रहता है, तो मेरे अनुसार यह गलत है। मेरे आधार पर प्यार की कई अवस्थायें होती हैं। प्यार जैसे–जैसे एक अवस्था को पार करके आगे बढ़ता है, वह खतरनाक होता जाता है, वैसे वह लोग भाग्यशाली होते हैं, जिनका प्रेम पहली या फिर दूसरी अवस्था तक रहता है। तीसरी अवस्था पर पहुँचते ही साथी के द्वारा ही प्यार में पीड़ा और परेशानी का दौर शुरू हो जाता है।

Sample Copy. Not For Distribution.

आइये प्रेम में आने वाली विभिन्न मानसिक अवस्थाओं को जानते हैं –

प्यारः– प्यार जब तक प्यार होता है, एक सुखद और खूबसूरत अहसास होता है, जैसे ही आपके साथी का चेहरा, उसका बात करने का तरीका, उसकी कोई अन्य बात, आपके खयालों में आती है, आपके चेहरे पर मानसिक आनन्द की मुस्कुराहट आ जाती है।

आप उससे मिलना चाहते हैं, बात करना चाहते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखते हैं, कि आपकी वजह से आपके साथी को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही आप समाज और सामाजिक रिश्तों की भी परवाह करते हैं। जिससे प्यार मर्यादा और सीमा रेखा के अन्दर रहता है।

दीवानगीः– प्यार जब सीमा तोड़कर आगे बढता है, तब दीवानगी में बदल जाता है, दीवानगी की हालत में आपके मन–मस्तिष्क में हर पल आपके साथी का ही खयाल छाया रहता है। किसी काम में मन नही लगता बस यही मन करता है कि,

Sample Copy. Not For Distribution.

Get Complete Book
At Educreation Store
www.educreation.in

Sample Copy. Not For Distribution.

प्रेम एक विभीषिका

प्रेम एक ऐसा विषय है जिसके बारे में हर कोई ज्यादा से ज्यादा जानना चाहता है। इस पुस्तक में प्यार के बारे में बहुत ही विस्तार पूर्वक बताया गया है। आप इस पुस्तक के द्वारा यह जान सकते हैं कि प्यार क्या होता हैं, यह कैसे होता हैं। प्यार में कितने प्रकार की अवस्थायें आती हैं। प्यार कितने प्रकार का होता है। प्यार आपके जीवन को किस प्रकार से प्रभावित कर सकता है और आप किस प्रकार से इससे बच सकते हैं।

प्रत्तेक माता पिता के लिए उसकी सन्तान सदा मासूम ही होती है, लेकिन आपकी नजरों में मासूम होने से उससे जुड़ा हुआ कोई सच बदल नहीं जायेगा। कुछ बातें समय बीत जाने के बाद पता चलती हैं तब हम पछताते हैं, प्रेम भी उन बातों में एक है इसलिए यह आवश्यक है कि समय रहते हम उस विषय पर बात करें। इस पुस्तक के द्वारा अभिवावक अपने बच्चों के साथ प्रेम के विषय में बात कर सकते हैं और उनको समझा भी सकते हैं।

मैं सभी युवाओं से कहुंगा कि वे यह पुस्तक अवश्य पढें ताकि वह प्यार को समझ सकें, क्यों कि प्रेम से युवा ही सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

लेखक से संपर्क के लिए :
✉swarn.cifa@rediffmail.com

EDUCREATION
PUBLISHING (Delhi)
www.educreation.in

Also available as an eBook
NON-FICTION
ISBN 978-1-61813-727-2
9 781618 137272 >

Sample Copy. Not For Distribution.